वरुण गायत्री मन्त्र

ॐ जलबिम्बाय विद्महे
नीलपुरुषाय धीमहि।
तन्नो वरुणः प्रचोदयात्॥

ॐ। हम जलबिम्ब [जलमण्डल] को जानें।
हम नीलपुरुष पर ध्यान करें।
जलदेवता, वरुणदेव हमारे पथ को आलोकित करें
और हमें आत्मज्ञान प्रदान करें।

© २०२२ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।